

ѡ стго блюд'ца¹⁾ пасти части
нѣкоеи. аще оубо ѿ небрѣж-
нїа дръжжаго²⁾ слѹчисл³⁾, мнѣ-
жайше таковыи мѣченъ бѣдеть.
иѣ празнованіемъ днii иѣспѣйтса.
аще ли по бѣсов'ском⁴⁾ сътечени,
ѡ мѣн'шемъ⁵⁾. иѣ неволное бо⁶⁾
съгрѣшениe, правилнѣ цѣлитса.
да не възмнитса приобрѣтати⁷⁾
лжавыи, доброкъзныи под'-
оукрадаю ѿцеподѣиство ующа-
го незазбрное. иѣ стаа оубо со⁸⁾
всѣкыимъ говѣаніемъ съберѣ-
са. мѣсто же на неже падоша.
ѡгнемъ иѣ водож измѣнитса.
лек'чиаше же⁹⁾ мѣчтса¹⁰⁾, иѣже
прѣжде херѹвим'скыи пѣсни
попльзьса въ сс, нежели иѣже¹¹⁾
по осѣщени иѣ съврѣшени бѣтв-
ныхъ тайн': +

ἀγίου δίσκου μερίδα τινά¹⁾ πε-
σεῖν, εἰ μὲν ἔξ αμελείας τοῦ κατέ-
χοντος συνέβη, ἐπὶ πλέον ὁ τοιού-
τος κολασθήσεται. καὶ ἀργίᾳ ρήτῳ
ἡμερῶν ιαθήσεται. εἰ δὲ κατὰ δαι-
μονικὴν συνδρομὴν, ἐπ' ἔλαττον.
καὶ τὸ ἀκούσιον γάρ ἀμάρτημα,
κανονικῶς θεραπεύεται. ἵνα μὴ
δόξῃ παρακερδαίνειν ὁ πονηρὸς.
εὐμεθόδως ἀποσυλῶν τοῦ ἱερουρ-
γοῦντος τὸ ἀκατάγωνωστον. καὶ
τὰ μὲν ἄγια μετὰ πάσης αἰδοῦς
συναψθήσεται. ὁ δὲ τόπος εἰς ὃν
πεπτώκασι, διὰ πυρὸς καὶ ὅδατος
ἀλλοιωθήσεται. κουφότερον μέντοι
κολάζεται, ὁ πρὸ τοῦ χερουβικοῦ
ὕμνου ὀλισθήσας εἰς τοῦτο, ἢ ὁ
μετὰ τὸν ἄγιασμὸν καὶ τὴν τε-
λείωσιν τῶν θείων μυστηρίων²⁾.

1) 253 բնակչութեան մասին:

2) 253 дрътъсъ.

3) 253 слоу чїсѧ.

4) 253 апіс к'єс скін.

5) Н. К. слова: «айре ли... ѿ мен'шемъ»
проп.

6) Н. К. «ко» прош.

7) 253 пришкѣтати.

8) 253 «со» проп.

9) 253 «же» проп.

10) II. K. мѧлѣн

1) Въ 58 тиа другой рукой надъ строчкой.

2) Въ 24 къ 11-й главѣ сдѣлана подъ текстомъ внизу страницы слѣдующая приписка, встрѣчающаяся въ нѣкоторыхъ спискахъ среди дополненій къ Синтагмѣ въ качествѣ самостоятельной статьи (Нап. 228, f. 287: послѣ статьи «Περὶ τοῦ ἔκτου βαθμοῦ εἰς ἀγιστέας») Иерус. Патр., 27 f. 357b: послѣ статьи «Οὐ λανθάνει σου τὴν ἀγιωσύνην»=Rhali et P., V, 38, вмѣстѣ съ отрывкомъ «Περὶ καταλύσεως ἵερῶν σκευῶν» (см. выше);

περὶ ἵερῶν ἀπολεσάντων τὸν ἄρτους.

Οι πταίσκοντες ιερεῖς οἱ τοὺς προηγιασμένους ἀρτους πεποιηκότες, τοὺς ὑπὸ κυνῶν παραχοιξάγτων τὴν τοῦ ναοῦ πύλην